कक्षा – 5
पाठ – 5
जहाँ चाह वहाँ राह

प्रश्न उत्तर लिखो –

प्र.1 इला या इला जैसी कोई लड़की यदि तुम्हारी कक्षा में दाखिला लेती तो तुम्हारे मन में कौन–कौन से प्रश्न उठते ?
उ0. यदि इला जैसी कोई लड़की हमारी कक्षा में दाखिला लेती तो हमारे मन में प्रश्न उठते कि ये काम कैसे करती होगी? इसे किन–किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ता होगा।

प्र.2 इस लेख को पढ़ने के बाद क्या तुम्हारी सोच में कुछ बदलाव आए?
उ0. इस लेख को पढ़ने के बाद हमारी सोच में बदलाव आया कि व्यक्ति को कभी हार नहीं माननी चाहिए। उसे विश्वास और धैर्य बनाये रखना चाहिए।

प्र.3 यदि इला तुम्हारे विद्यालय में आए तो उसे किन–किन कामों में परेशानी आएगी ?
उ0. यदि इला हमारे विद्यालय में आएगी तो उसे निम्नलिखित कामों में परेशानी आएगी। जैसे –
1 जल्दी – जल्दी लिखना ।
2 कोई खेल खेलना।
3 कोई सामान उठाना आदि।

प्र.4 उसे यह परेशानी न हो इसके लिए अपने विद्यालय में क्या तुम कुछ बदलाव सुझा सकती हो ?
उ0. उसे यह परेशानी न हो इसके लिए हम अपने विद्यालय में कुछ सहायक नियुक्त कर सकते हैं। जो सभी कामों में इला जैसी छात्रों की सहायता करे।

प्र.5 इला को लेकर स्कूल वाले चिंतित क्यों थे? क्या उनका चिंता करना सही था या नहीं ?
उ0. इला की सुंरक्षा और उसके काम करने की गति को लेकर स्कूलवाले चिंतित थे। उनका चिंता करना सही था क्योकि इला जैसे छात्र को इन कठिनाइयों का सामना करना पड़ता हैं।

प्र.6 इला की कशीदाकारी में खास बात क्या थी ?
उ0. इला की कशीदाकारी में अनेक प्रांतो की कशीदाकारी की झलक मिलती है। जैसे लखनऊ, बंगाल, काठियावाड़ी टाँके इत्यादि। पत्तियों को उसने चिकनकारी से सजाया था। डंडियों को कांथा से उभारा था। उसके डिज़ाइनों में नवीनता का मिश्रण देखने को मिलता था।

Edit with WPS Office